|  |
| --- |
| 26. Mai 2024 |
| **Dreifaltigkeitssonntag B** |
| Erste Lesung: Dtn 4,32-34.39-40; Zweite Lesung: Röm 8,14-17; Evangelium: Mt 28,16-20 |
|  |  |  |
| Eröffnung: | GL 393, 1-3 | Nun lobet Gott im hohen Thron |
|  | GL 144, 1+4+7 | Nun jauchzt dem Herren alle Welt |
|  | GL 704, 1-4! | Dir, Vater tönt der Lobgesang |
|  |  |  |
| Kyrie: | GL 156 | Herr, erbarme dich |
|  |  |  |
| Gloria: | GL 715 | Es jubelt aller Engel Chor |
|  |  |  |
| Antwortgesang: | Ps 33, 4-6 u. 9.18-20 u. 22 |
|  | Kehrvers: |  |
|  | GL 56, 1 | Freut euch |
|  | oder |  |
|  | GL 411 | Erde, singe, dass es klinge |
|  | GL 412 | Die Herrlichkeit des Herrn |
|  | GL 619, 1+2 | Alles, was Odem hat |
|  |  |  |
| Halleluja-Ruf: | GL 174, 3 |  |
|  | Vers: |  |
|  | *Ehre sei dem Vater und dem Sohn und dem Heiligen Geist.* |
|  | *Ehre sei dem einen Gott,* |
|  | *der war und der ist und der kommen wird.* |
|  |  |  |
| Credo: | GL 354 | Gott ist dreifaltig einer |
|  | GL 491, 1!-3 | Ich bin getauft |
|  |  |  |
| Gabenbereitung: | GL 352, 1-6 | O heiligste Dreifaltigkeit |
|  |  |  |
| Sanctus: | GL 196 | Heilig |
|  |  |  |
| Agnus Dei: | GL 202 | O du Lamm Gottes |
|  |  |  |
| Danksagung: | GL 363, 1-5 | Erhabene Dreifaltigkeit |
|  | GL 456, 4 | Vater unsres Lebens |
|  | GL 769, 1-5 | Dreifaltiger, verborgner Gott |
|  |  |  |
| Schluss: | GL 405, 1-3! | Nun danket alle Gott |
|  | oder ein Marienlied |